तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 74/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 18 सितंबर, 2019

(www.trai.gov.in)

31 जुलाई, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1168.31**	**20.96**	**1189.28**
जुलाई, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.85	-0.20	2.65
मासिक वृद्धि दर	0.24%	-0.97%	0.22%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**659.87**	**18.16**	**678.02**
जुलाई, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.60	-0.16	2.44
मासिक वृद्धि दर	0.40%	-0.87%	0.36%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**508.45**	**2.81**	**511.25**
जुलाई, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.25	-0.05	0.21
मासिक वृद्धि दर	0.05%	-1.60%	0.04%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**88.64**	**1.59**	**90.23**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	156.80	4.31	161.12
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	56.67	0.31	56.98
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	56.48%	86.60%	57.01%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	43.52%	13.40%	42.99%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**585.60**	**18.52**	**604.12**

- जुलाई, 2019 के माह में 5.92 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से जून, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 441.49 मिलियन से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 447.41 मिलियन हो गया।

- जुलाई, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 972.38 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- जून, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,186.83 मिलियन से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 1,189.28 हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.22 प्रतिशत दर्ज की गयी। जून, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 674.66 मिलियन से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 678.02 मिलियन हो गई, और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 511.05 मिलियन से बढ़कर 511.25 मिलियन हो गई। जुलाई, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.36 प्रतिशत तथा 0.04 प्रतिशत रही।

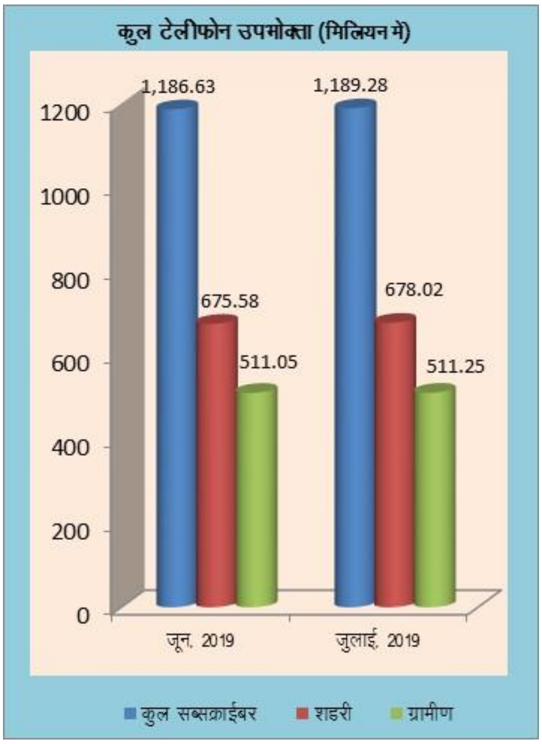

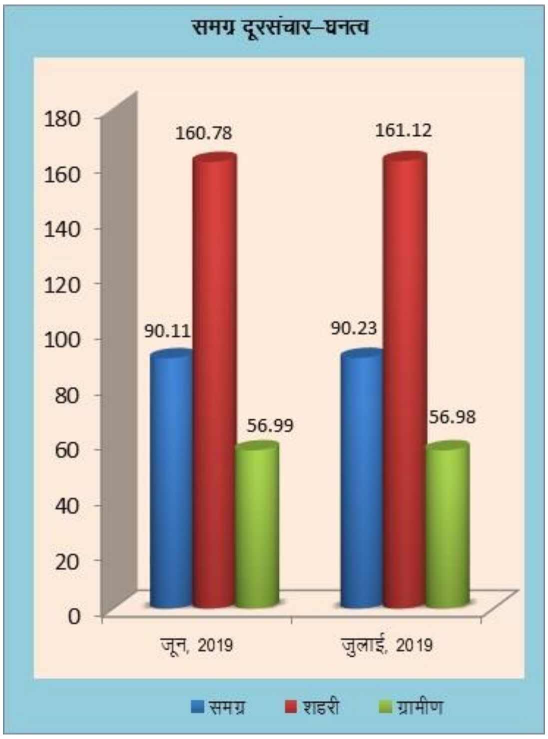

- जून, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 90.11 से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 90.23 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जून, 2019 के अंत तक 160.78 से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 161.12 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व जून, 2019 के अंत तक 56.99 से मामूली घटकर जुलाई, 2019 के अंत तक 56.98 हो गया। जुलाई, 2019 के अंत तक शहरी और शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 57.01 प्रतिशत तथा 42.99 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

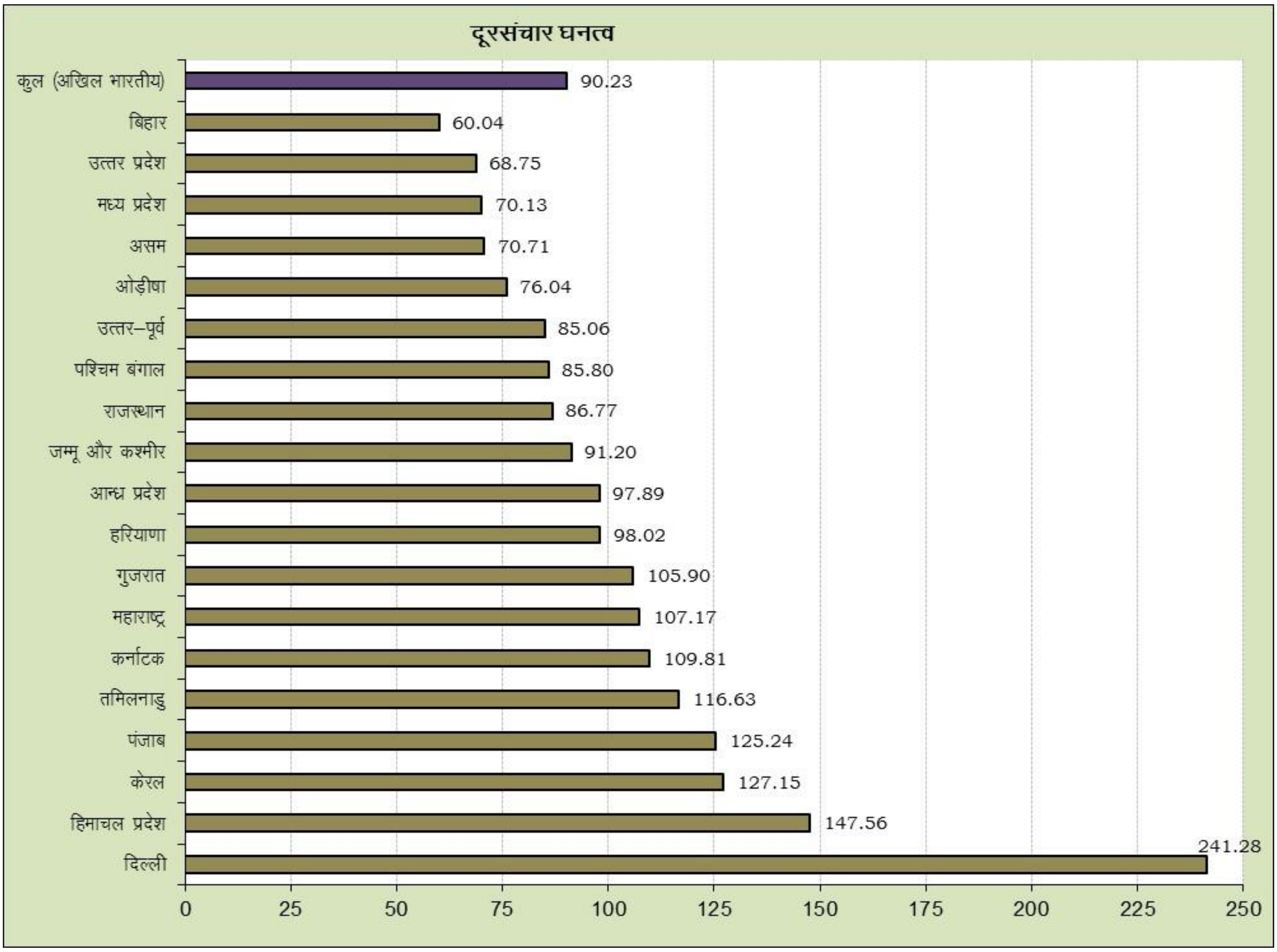

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि जुलाई, 2019 के अंत में आठ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 241.28 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 60.04 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

जुलाई, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	जुलाई, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-70,590	1,273,991	8,125,951	40,0047,186
श्रेणी – ख	-63,984	547,500	5,152,325	473,692,257
श्रेणी – ग	-44,748	648,120	821,977	176,572,815
महानगर	-25,492	383,454	6,864,465	118,000,567
अखिल भारतीय	**-204,814**	**2,853,065**	**20,964,718**	**1,168,312,825**

जुलाई, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जून, 2019 से जुलाई, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जुलाई, 2018 से जुलाई, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.86	0.32	-7.12	0.14
श्रेणी – ख	-1.23	0.12	-8.06	0.35
श्रेणी – ग	-5.16	0.37	-16.93	1.38
महानगर	-0.37	0.33	-0.95	5.96
अखिल भारतीय	**-0.97**	**0.24**	**-5.87**	**0.97**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि जुलाई, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान श्रेणी 'क' के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक निबल वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में जुलाई, 2019 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- जून, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,165.46 मिलियन से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 1,168.31 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.24 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2019 के अंत तक 657.27 मिलियन से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 659.87 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 508.19 मिलियन से बढ़कर 508.45 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.40 प्रतिशत तथा 0.05 प्रतिशत रही।

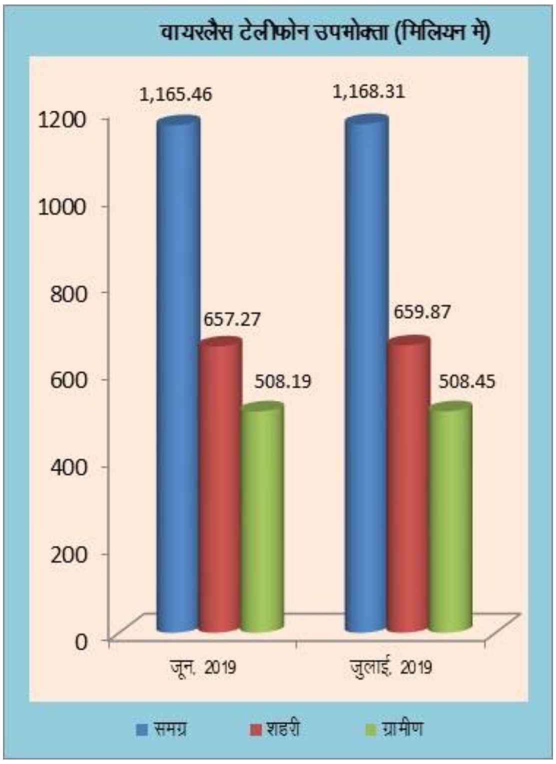

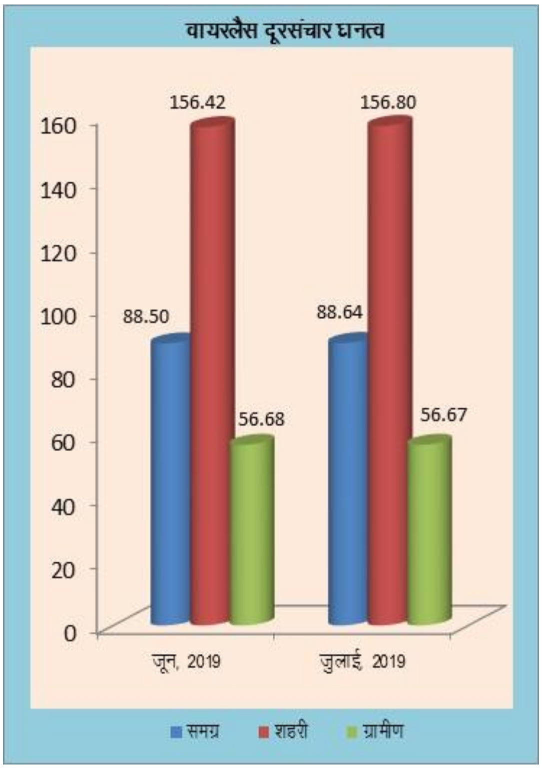

- जून, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 88.50 से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 88.64 हो गया। शहरी क्षेत्रों में जून, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 156.42 से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत में 156.80 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 56.68 से मामूली घटकर 56.67 हो गया। जुलाई, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.48 प्रतिशत तथा 43.52 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.73 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.27 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

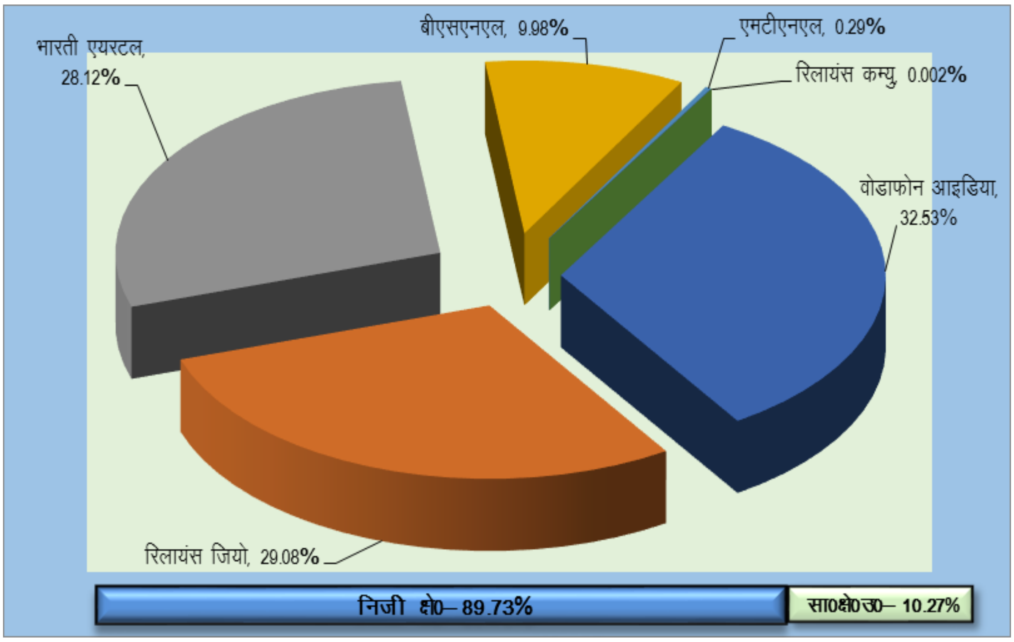

जुलाई, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

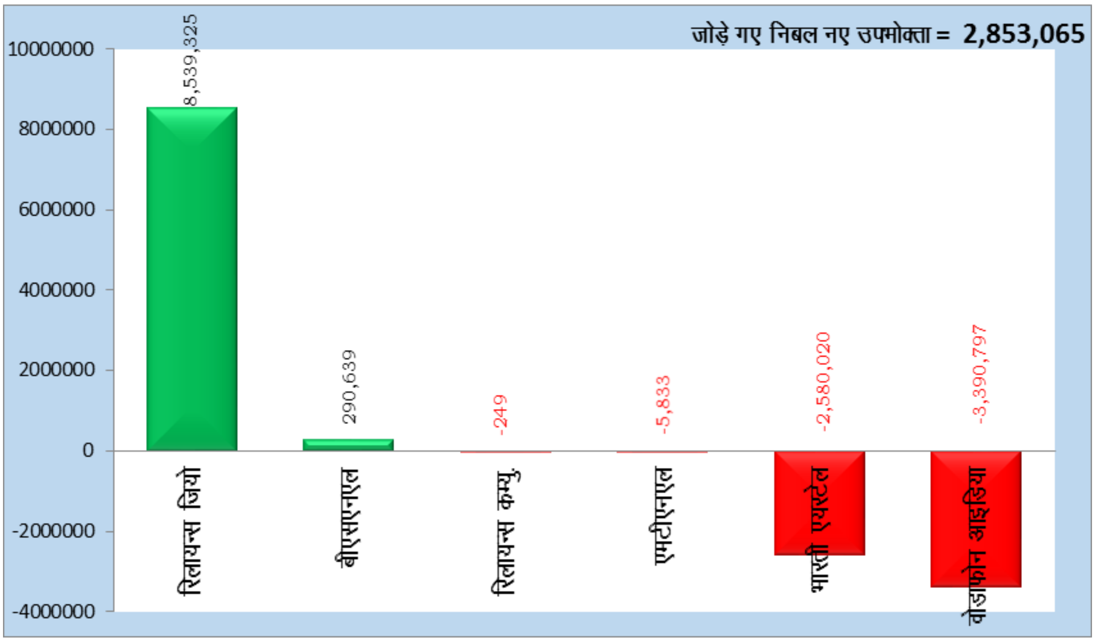

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्ताओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह से अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- जुलाई, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,168.31 मिलियन) में से 972.38 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 83.23 प्रतिशत था।

- जुलाई, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

जुलाई, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

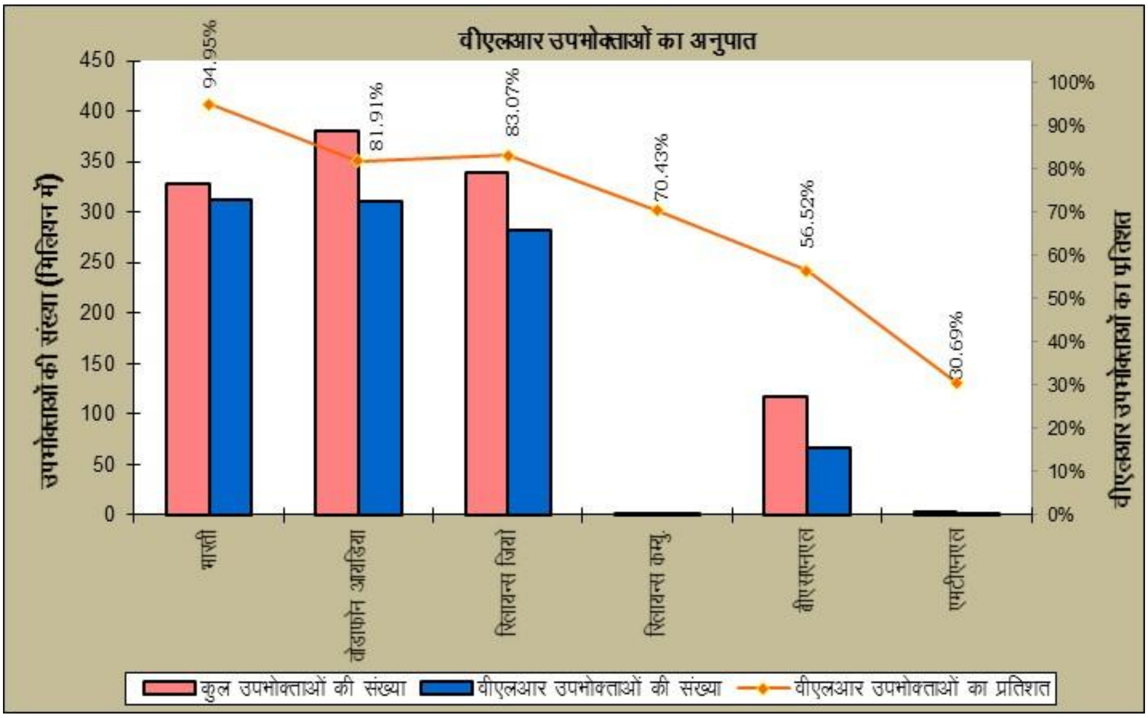

- जुलाई, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 94.95 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

जुलाई, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

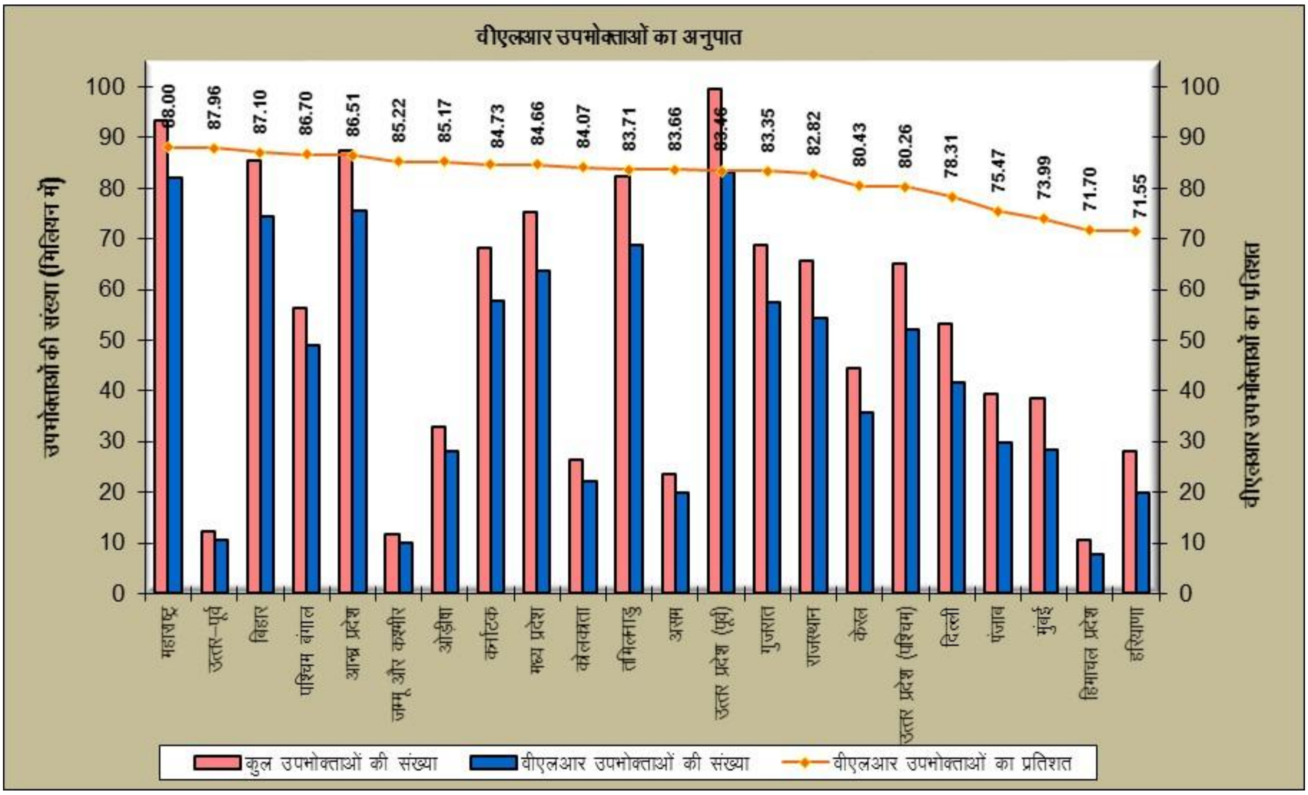

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

जुलाई, 2019 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

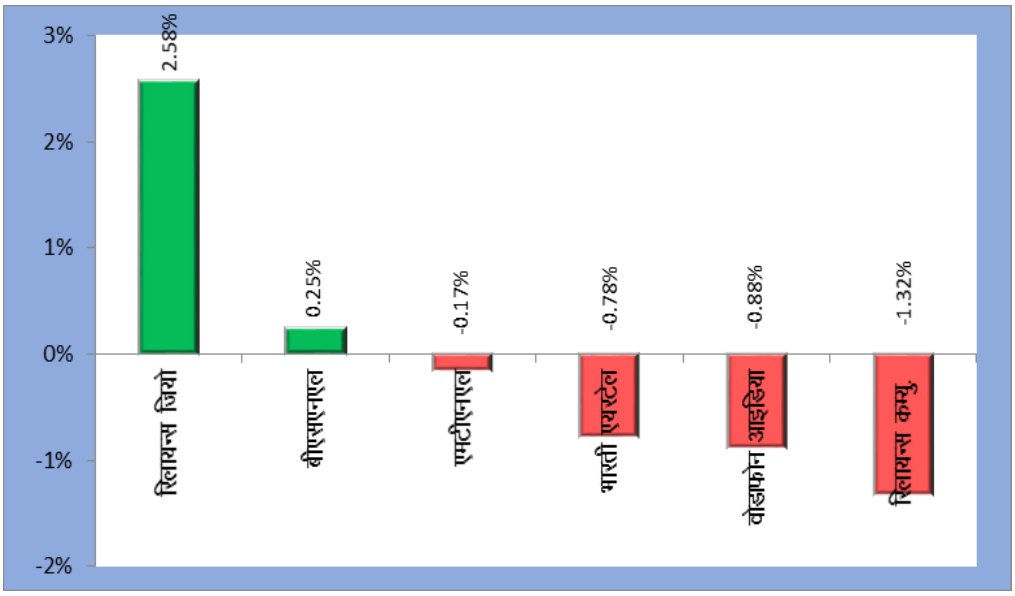

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

जुलाई, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

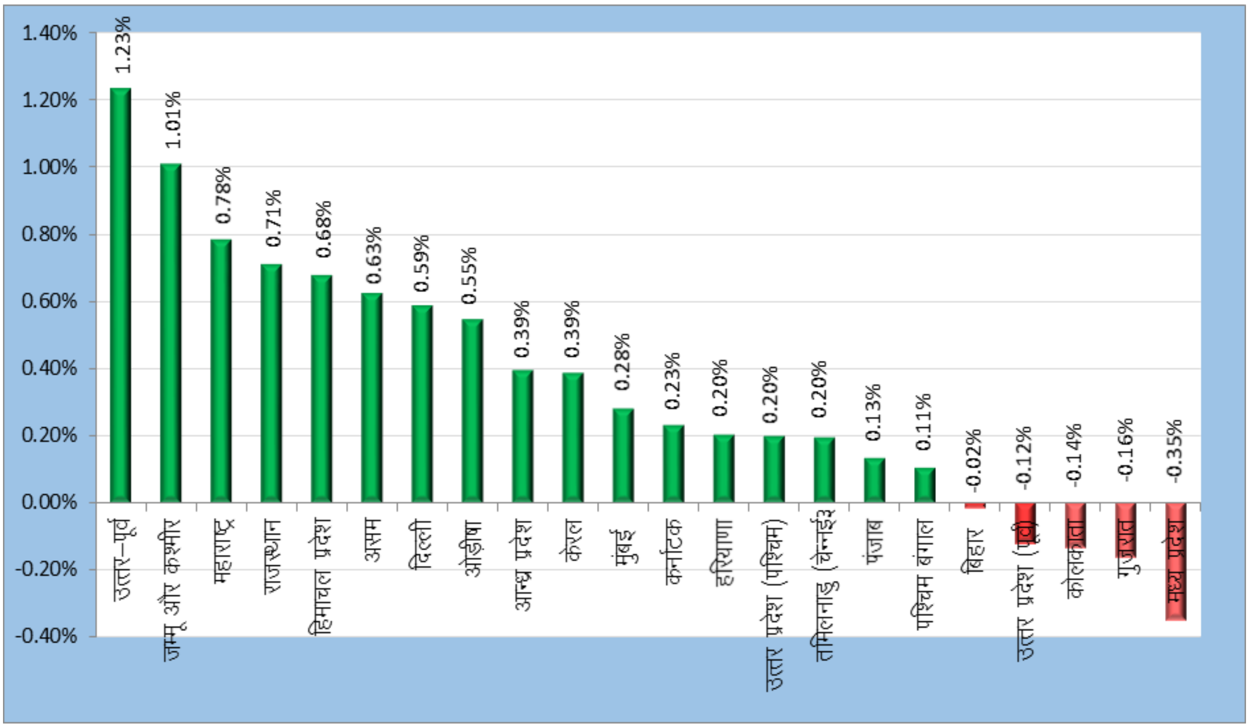

- जुलाई, 2019 माह के दौरान 22 सेवा क्षेत्रों में से पांच सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर्ज की गई। उत्तर–पूर्व सेवा क्षेत्र में अधिकतम मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई जबकि मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में अधिकतम ह्रास दर दर्ज की गई है।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- जुलाई, 2019 के माह में कुल 5.92 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 5.92 मिलियन अनुरोधों में से 2.58 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 3.34 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध जून, 2019 के अंत तक 441.49 मिलियन से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत तक 447.41 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 35.29 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 33.04 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 41.44 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 37.84 मिलियन) एवं तमिलनाडु में (लगभग 37.67 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–I			जोन–II		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	जून, 2019	जुलाई, 2019		जून, 2019	जुलाई, 2019
दिल्ली	22.77	23.03	आन्ध्र प्रदेश	37.31	37.84
गुजरात	29.44	29.78	असम	3.45	3.48
हरियाणा	16.09	16.26	बिहार	17.79	18.05
हिमाचल प्रदेश	2.15	2.18	कर्नाटक	40.77	41.44
जम्मू और कश्मीर	1.09	1.11	केरल	10.75	10.96
महाराष्ट्र	32.50	33.04	कोलकाता	10.52	10.76
मुंबई	22.53	22.71	मध्य प्रदेश	28.94	29.47
पंजाब	17.04	17.24	उत्तर–पूर्व	1.35	1.36
राजस्थान	34.98	35.24	ओड़ीशा	8.80	9.00
उत्तर प्रदेश–पूर्व	24.31	24.63	तमिलनाडु	37.19	37.67
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	19.66	19.93	पश्चिम बंगाल	22.04	22.24
कुल	**222.56**	**225.14**	कुल	**218.93**	**222.27**
कुल (जोन–I + जोन–II)				**441.49**	**447.41**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (जुलाई, 2019 माह में)					5.92 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2019 के अंत तक 21.17 मिलियन से और घटकर जुलाई, 2019 के अंत तक 20.96 मिलियन हो गया। इस माह में 0.97 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.21 मिलियन की निबल कमी हुई। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- जुलाई, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 86.60 प्रतिशत तथा 13.40 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व जून, 2019 माह के अंत में 1.61 से घटकर जुलाई, 2019 माह के अंत में 1.59 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.31 तथा 0.31 रहा।

- जुलाई, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 64.95 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। जुलाई, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

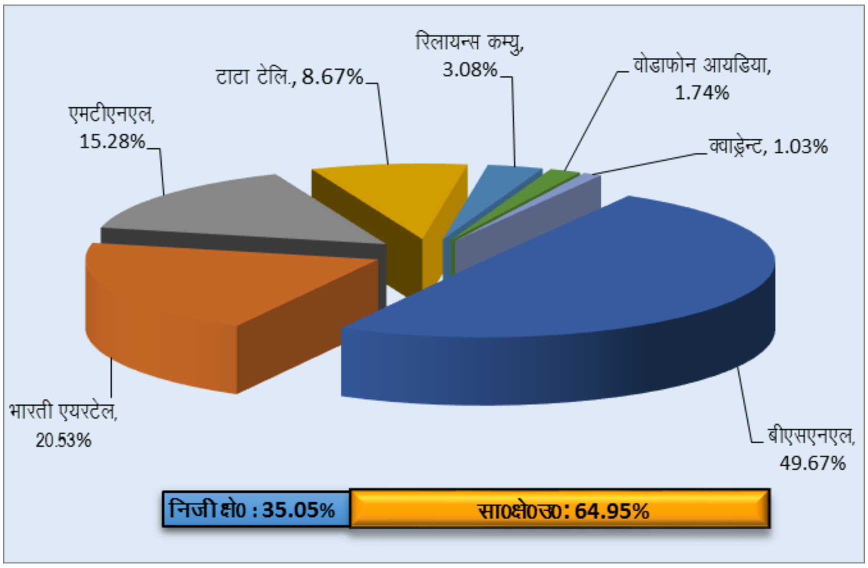

जुलाई 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

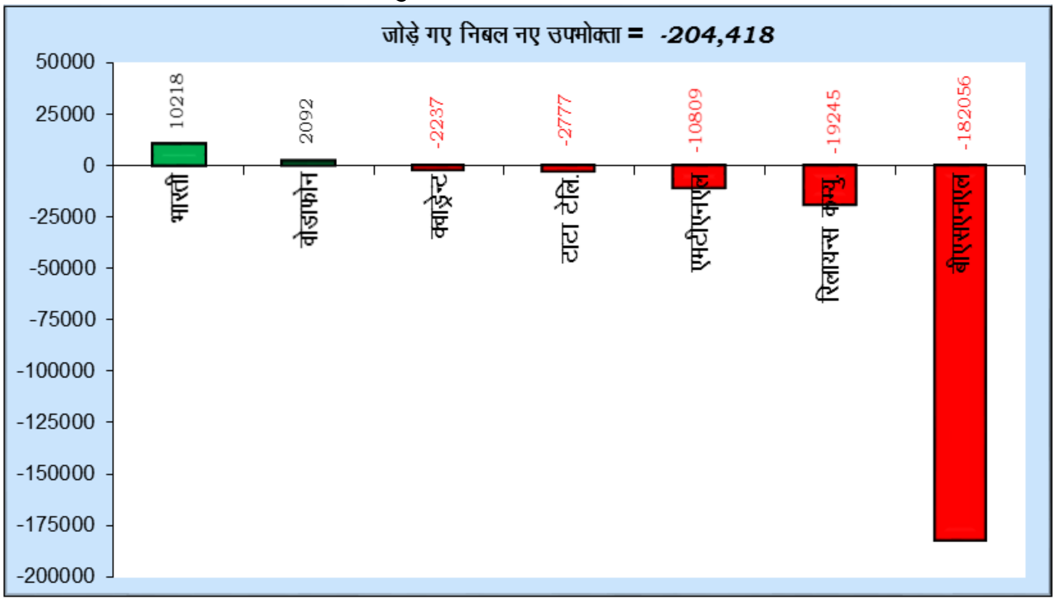

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- जुलाई माह में 324 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जून, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 594.59 मिलियन से बढ़कर जुलाई, 2019 के अंत में 604.12 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 1.60 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		जुलाई, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.42	18.52	0.56%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	575.63	585.05	1.64%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.54	0.55	1.33%
कुल	**594.59**	**604.12**	**1.60%**

- जुलाई, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.95 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (339.79 मिलियन), भारती एयरटेल (123.94 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.92 मिलियन), बीएसएनएल (21.64 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.47 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 31.07.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

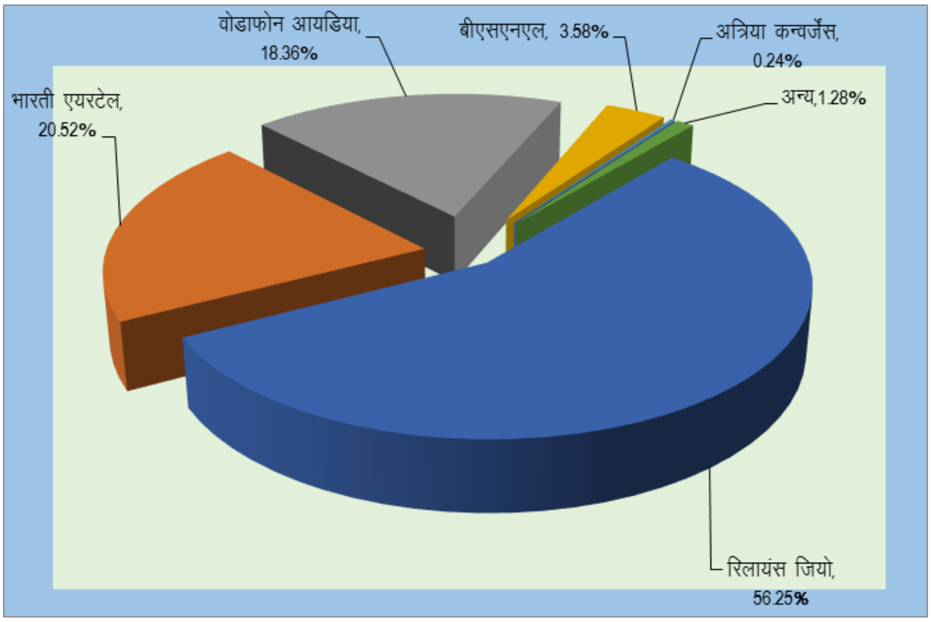

- दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार <u>वायरलाईन</u> सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.05 मिलियन), भारती एयरटेल (2.40 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.47 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.85 मिलियन) तथा यू ब्रॉडबैंड (0.75 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 जुलाई, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े <u>वायरलेस</u> ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (339.79 मिलियन), भारती एयरटेल (121.54 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.90 मिलियन), बीएसएनएल (12.58 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.21 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रघान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019
आन्ध्र प्रदेश	28922938	28819821	2055	2060	21546770	21345464	10086993	10075956					26415879	27074628	**86974635**	**87317929**
असम	8256291	8327828			5724541	5663147	2627522	2552782					6936372	7148423	**23544726**	**23692180**
बिहार	36731684	36568810	221	229	19836397	19238015	4759554	4837277					24241071	24910635	**85568927**	**85554966**
दिल्ली	15480305	15426329	2473	2260	19042181	19065315					2205188	2202615	16226566	16571642	**52956713**	**53268161**
गुजरात	11232618	11047857	581	584	30758854	30365913	6035935	6049371					20898968	21350850	**68926956**	**68814575**
हरियाणा	4391688	4259707	182	182	10387003	10342007	4982715	4977904					8136927	8375544	**27898515**	**27955344**
हिमाचल प्रदेश	3338046	3347009	72	72	1290579	1248951	2866605	2890712					3068725	3149088	**10564027**	**10635832**
जम्मू और कश्मीर	5575369	5620579			1145475	1124763	1188249	1206629					3569571	3642510	**11478664**	**11594481**
कर्नाटक	28676100	28410654	1666	1609	14197272	14047662	7213935	7257083					18064488	18594624	**68153461**	**68311632**
केरल	5371037	5367259	498	498	20199999	20155387	10917598	10919476					7777070	7994970	**44266202**	**44437590**
कोलकाता	6667314	6494422	0	34	8792103	8705084	1639440	1664788					9200591	9399016	**26299448**	**26263344**
मध्य प्रदेश	15329290	15092709	839	850	28465545	28007021	6400394	6404824					25204518	25629060	**75400586**	**75134464**
महाराष्ट्र	15637406	15622797	4897	856	44465283	44277040	7108632	7152795					25393380	26280060	**92609598**	**93333548**
मुंबई	9518089	9410475	0	3945	14973795	14950899					1209351	1206091	12659717	12897652	**38360952**	**38469062**
उत्तर–पूर्व	5211537	5258804			2287414	2285848	1456548	1468229					3079691	3170522	**12035190**	**12183403**
ओड़ीशा	12301257	12210338	299	305	4563459	4472686	5707785	5715289					10160361	10513335	**32733161**	**32911953**
पंजाब	10464104	10266681	294	296	10994036	11027742	5464880	5483368					12397296	12595197	**39320610**	**39373284**
राजस्थान	21434612	21487144	396	411	16224497	16057949	6048835	6065131					21446728	22008449	**65155068**	**65619084**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25599398	25376254	2784	2834	23497069	23353520	12169578	12202304	104720	107332			20734996	21227258	**82108545**	**82269502**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	31091701	30630083	869	812	33500937	33236041	11703066	11671692					23523837	24159850	**99820410**	**99698478**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13275541	12999576	0	62	28434559	28366191	5853201	5887283					17306295	17745706	**64869596**	**64998818**
पश्चिम बंगाल	16587064	16468233	747	725	23083463	22683789	1929929	1966528					14812567	15355920	**56413770**	**56475195**
कुल	**331093389**	**328513369**	**18873**	**18624**	**383411231**	**380020434**	**116161394**	**116449421**	**104720**	**107332**	**3414539**	**3408706**	**331255614**	**339794939**	**1165459760**	**1168312825**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-2580020		-249		-3390797		288027		2612		-5833		8539325	0	2853065
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*144296149*	*139409966*	*0*	*0*	*199149941*	*198416194*	*36683933*	*36934191*	*0*	*0*	*46088*	*46035*	*128016044*	*133639395*	508192155	508445781

अनुलग्नक–**II**

जुलाई, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	100.12	65.87	84.20		65.97	81.52	**86.51**
असम	95.21	59.06	73.51			87.03	**83.66**
बिहार	91.62	57.71	74.10		41.92	96.22	**87.10**
दिल्ली	94.83		72.89	21.10	90.80	76.76	**78.31**
गुजरात	95.24	50.01	87.63		33.05	80.56	**83.35**
हरियाणा	102.89	37.21	80.66		40.66	64.77	**71.55**
हिमाचल प्रदेश	92.13	42.35	83.63		51.39	72.20	**71.70**
जम्मू और कश्मीर	93.83	67.00	70.55		-	82.51	**85.22**
कर्नाटक	94.49	61.04	83.28		95.90	80.17	**84.73**
केरल	98.14	65.82	88.23		37.55	68.82	**80.43**
कोलकाता	94.48	62.59	83.79		-	80.93	**84.07**
मध्य प्रदेश	93.33	51.36	82.33		45.76	90.42	**84.66**
महाराष्ट्र	96.82	54.23	87.84		62.03	92.24	**88.00**
मुंबई	76.92		71.22	48.20	-	77.47	**73.99**
उत्तर–पूर्व	97.21	75.78	72.25		-	89.61	**87.96**
ओड़ीशा	93.49	73.20	79.41		19.34	84.47	**85.17**
पंजाब	98.36	43.39	76.41		28.38	69.95	**75.47**
राजस्थान	95.45	47.04	82.44		39.42	80.63	**82.82**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	94.57	69.36	87.50		83.24	74.87	**83.71**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	96.61	41.41	79.21		44.09	92.96	**83.46**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	100.24	43.82	79.99		-	78.14	**80.26**
पश्चिम बंगाल	92.85	87.97	81.53		30.48	87.58	**86.70**
कुल	**94.95**	**56.52**	**81.91**	**30.69**	**70.43**	**83.07**	**83.23**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया			
	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019	जून, 2019	जुलाई, 2019
आन्ध्र प्रदेश	882330	871268			212945	212265	42141	39806	173592	174058			60820	61130	**1371828**	**1358527**
असम	106661	104384											2970	3030	**109631**	**107414**
बिहार	204211	167630					2957	2643	8428	8396			1950	1980	**217546**	**180649**
दिल्ली			1466619	1461217	1496226	1500205	107370	103294	155335	155294			59040	60190	**3284590**	**3280200**
गुजरात	866711	862943			97329	97781	16648	16001	88408	87665			30940	30660	**1100036**	**1095050**
हरियाणा	202096	197769			23336	23251	2170	2160	36461	36909			240	240	**264303**	**260329**
हिमाचल प्रदेश	106212	104094					1710	1676	1772	1780			60	60	**109754**	**107610**
जम्मू और कश्मीर	101706	101706													**101706**	**101706**
कर्नाटक	978200	968952			702520	706830	114402	112728	272182	273059			53407	51307	**2120711**	**2112876**
केरल	1750579	1740081			62207	61927	14491	13922	18923	18948			3750	4110	**1849950**	**1838988**
कोलकाता	459691	446093			132527	133727	37334	36835	53053	53705			11380	11290	**693985**	**681650**
मध्य प्रदेश	643404	640629			244404	243509	9478	7835	14354	14399			1140	1170	**912780**	**907542**
महाराष्ट्र	1026765	1004915			101564	102225	43420	42091	269841	268695			23777	23990	**1465367**	**1441916**
मुंबई			1747717	1742310	383620	386497	167421	165441	555495	551199			57129	57168	**2911382**	**2902615**
उत्तर–पूर्व	100547	99004											270	240	**100817**	**99244**
ओड़ीषा	214462	209793					2195	2075	8304	8146			2310	5340	**227271**	**225354**
पंजाब	374052	364626			137834	137954	10651	10408	12084	12414	219089	216852	1680	1770	**755390**	**744024**
राजस्थान	423266	412952			57651	57673	18901	17662	11617	11507			12600	12480	**524035**	**512274**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1375905	1357712			551464	550079	64152	62663	124018	124698			23060	22430	**2138599**	**2117582**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	324057	318756			65091	64858	5495	4882	8203	8317			12350	12320	**415196**	**409133**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	254593	249489			24134	24289	3056	2625	4954	4987			4410	4470	**291147**	**285860**
पश्चिम बंगाल	199373	189969					1562	1562	2453	2524			120	120	**203508**	**194175**
कुल	**10594821**	**10412765**	**3214336**	**3203527**	**4292852**	**4303070**	**665554**	**646309**	**1819477**	**1816700**	**219089**	**216852**	**363403**	**365495**	**21169532**	**20964718**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-182056		-10809		10218		-19245		-2777		-2237		2092		**-204814**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2762250	2717264	0	0	0	0	1319	1310	47829	47638	43325	42740	0	0	**2854723**	**2808952**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———